पारा से परे

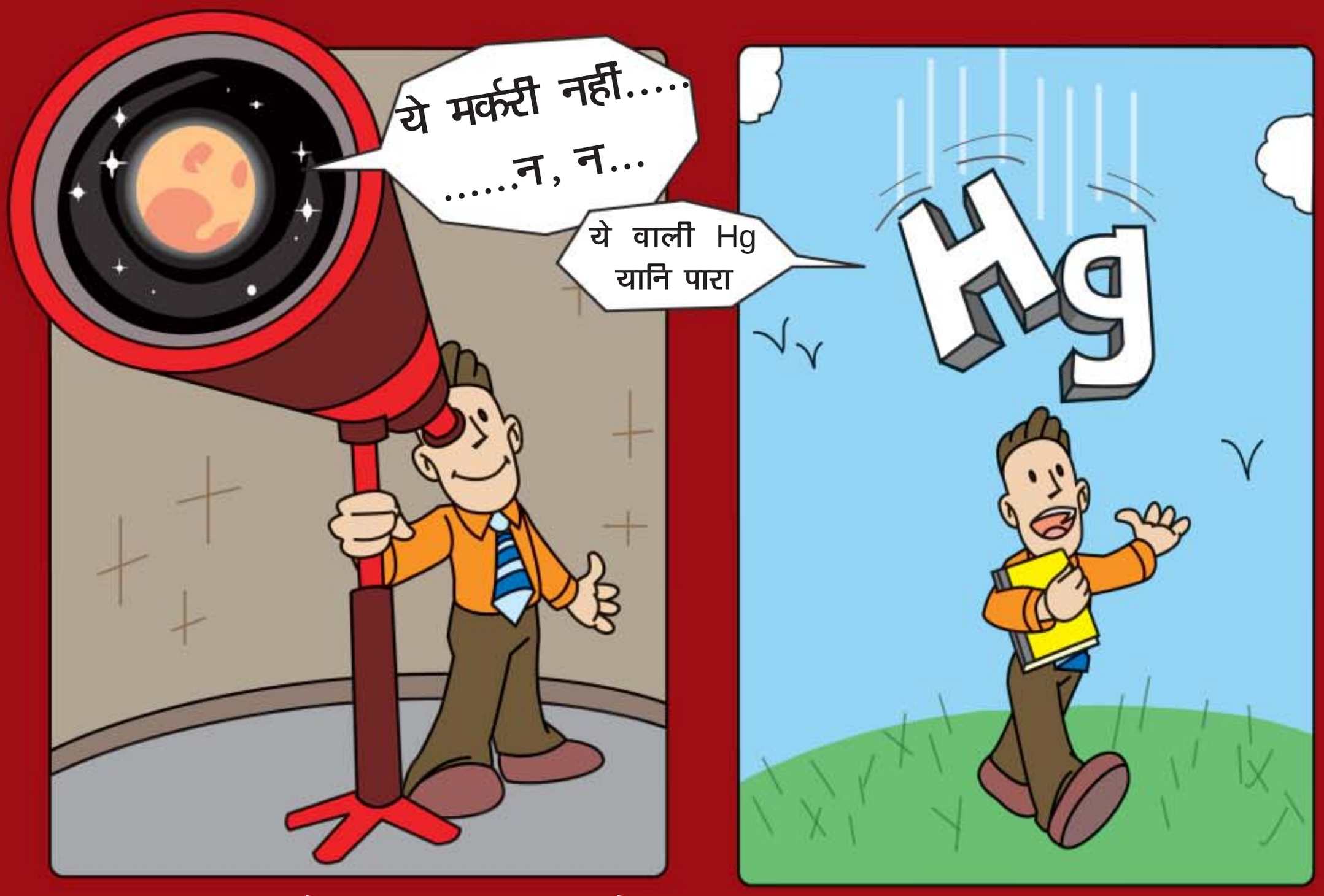

पारा के साथ छेड़खानी ठीक नहीं

पारा बहुत खतरनाक रसायन है। यह दिमाग व स्नायु तंत्र को बहुत बुरी तरह प्रभावित करता है।

अंग्रेजी में कम दिमाग के व्यक्ति को 'मैड ऐज ए हैटर' कहा जाता है। क्योंकि रानी विक्टोरिया के काल में हैट यानि टोपी बनाने वालों का सम्पर्क पारा से टोपी के लिए अस्तर बनाते समय, नमदे को मुलायम करते वक्त पड़ता था। इस पारा सम्पर्क से उनमें कई प्रकार के स्नायु विकार उत्पन्न हो जाते थे।

1 ग्राम पारा (एक थरमोमीटर में 0.6 ग्राम पारा होता है) 20 एकड़ की झील को दूषित करने में सक्षम है। यहाँ तक कि उसमें रहने वाली मछली का सेवन हानिकारक हो सकता है। इस तस्वीर में मीनामाता, जापान, में रह रही माँ अपने बच्चे को नहला रही है। यह बच्चा पारा के सम्पर्क में आने से बुरी तरह मानसिक रोग से ग्रस्त हो गया है।

आपको पारा हथेली पर रखने की देर है कि वह आपकी त्वचा को पार करता हुआ खून के जरिए आपके दिमाग पर असर डाल सकता है।

कुछ ऐसे यंत्र जिनमें पारा पाया जाता है।

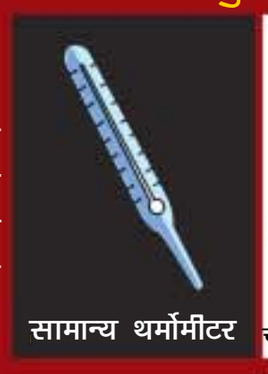
सामान्य थर्मोमीटर

रक्तचाप नापने की मशीन

प्रयोगशालाओं में प्रयोग में लाये जाने वाली बोतलें

प्रदीप्त या दुधिया बल्ब

इन सभी यंत्रों के किफायती विकल्प मौजूद हैं (सिवाय दुधिया बल्ब के, इन बल्बों को सही तरीके से रीसाइकिल करना आवश्यक है)

आपके लिए सलाहः–

- आप पारा सहित वस्तुओं की जगह पारा रहित वस्तुएं प्रयोग करें।
- पुराने दुधिया बल्ब व स्विच अपने घरेलू कचरे के डिब्बे में न फेंकें।
- इन सभी वस्तुओं की रीसाइक्लिंग के लिए याचिका दायर करें।

For details, contact:
Toxics Link
H2 (Ground Floor),
Jungpura Extension
New Delhi 110 014.
T: 91-11-24328006, 24320711
E: info@toxicslink.org

Department of Environment
Government of NCT of Delhi

Toxics Link
for a toxics-free world